PK टाइम्स

लोक टुडे

विश्वसनीय खबरों का सर्वश्रेष्ठ अखबार

pktimesnews.com
loktodaynews.com
PK Times News
thepktimesofficial
pk_timesofficial

वर्ष: 12 | अंक: 309 | मूल्य: 1.00 रुपए | पृष्ठ: 4 | रविवार, 24 मई, 2026 | RNI No. RAJHIN/2013/50649

ईंधन की कीमतों में 'आग'

चौतरफा महंगाई से आंसुओं का 'राग'!

महंगाई का 'ट्रिपल अटैक' | 10 दिनों में पेट्रोल 4.74 रुपए प्रति लीटर महंगा

आम आदमी की जेब पर सीधा होगा असर, सहमा बाजार

मनोहरसिंह खोखर। जयपुर

आम उपभोक्ताओं को महंगाई का एक और बड़ा झटका लगा है। सरकारी तेल कंपनियों ने शनिवार सुबह एक बार फिर पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी कर दी है। पिछले मात्र 10 दिनों के भीतर ईंधन की दरों में यह तीसरी लगातार वृद्धि है। इस तिहरे झटके के कारण पेट्रोल औसतन 4.74 प्रति लीटर तक महंगा हो चुका है। इस बढ़ोतरी के बाद न सिर्फ आम आदमी का मासिक बजट बिगड़ गया है, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था में चौतरफा महंगाई का खतरा भी मंडराने लगा है। वहीं राजस्थान के श्रीगंगानगर में भारी स्थानीय टैक्स और माल ढुलाई के कारण पेट्रोल की कीमत 117.20 प्रति लीटर के पार पहुंच गई है, जो देश में सबसे महंगी है।

10 दिनों का हिसाब : कब कितनी लगी आग?

15 मई 2026 (पहला झटका) : तेल कंपनियों ने सीधे 3.00 प्रति लीटर की एकमुश्त ऐतिहासिक बढ़ोतरी की।
19 मई 2026 (दूसरा झटका) : इसके ठीक चार दिन बाद पेट्रोल पर 90 पैसे प्रति लीटर और बढ़ा दिए गए।
23 मई 2026 (तीसरा झटका) : शनिवार सुबह पेट्रोल की कीमतों में 87 पैसे और डीजल में 91 पैसे प्रति लीटर का ताजा इजाफा किया गया।
- इसके साथ ही कई शहरों में सीएनजी (सीएनजी) के दाम भी 2 प्रति किलो तक बढ़ गए हैं, जिससे सीएनजी वाहनों का सफर भी महंगा हो गया है।

एक राहत की खबर ; अब वेनेजुएला से आएगा सस्ता तेल :

भारत ने वेनेजुएला से भारी मात्रा में कच्चा तेल खरीदना शुरू कर दिया है और मई 2026 में वेनेजुएला, सऊदी अरब और अमेरिका को पछाड़कर भारत का तीसरा सबसे बड़ा तेल आपूर्तिकर्ता बन गया है। वेनेजुएला का भारी कच्चा तेल भारत को काफी किफायती दामों पर मिल रहा है। पश्चिम एशिया (मिडिल ईस्ट) में तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य (Strait of Hormuz) में रुकावट के बीच भारत ने अपनी तेल आपूर्ति सुरक्षित करने के लिए यह कदम उठाया है। रिलायंस इंडस्ट्रीज (RIL) जैसी भारतीय रिफाइनरियां इस भारी तेल को रिफाइन करने में सक्षम हैं, जिससे कंपनियों का मुनाफा भी बढ़ेगा।

इसलिए बढ़ रहे हैं दाम :

वैश्विक बाजार में ब्रेंट क्रूड ऑयल (कच्चा तेल) की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। पश्चिम एशिया (Middle East) में जारी भू-राजनीतिक तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य (Strait of Hormuz) में तेल की सप्लाई बाधित होने की आशंका के कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ऊर्जा संकट गहराया हुआ है। भारत अपनी जरूरत का 85% तेल बाहर से खरीदता है, इसलिए तेल कंपनियां इसका बोझ घरेलू बाजार पर डाल रही हैं।

इस 'ट्रिपल हाइक' के 5 बड़े परिणाम

1. माल ढुलाई में 3% तक की बढ़ोतरी :

देश का 80' से अधिक घरेलू सामान ट्रकों के जरिए एक राज्य से दूसरे राज्य में जाता है। ऑल इंडिया ट्रांसपोर्टर्स वेलफेयर एसोसिएशन (AITWA) के मुताबिक, लगातार तीन बार डीजल महंगा होने से ट्रांसपोर्टर्स का मुनाफा खत्म हो गया है। आने वाले एक-दो दिनों में देश भर में माल ढुलाई का भाड़ा 2.5% से 3% तक बढ़ना तय है।

2. रसोई का बजट बिगड़ेगा (फल, सब्जियां और दूध महंगे) :

ट्रांसपोर्टेशन कॉस्ट बढ़ते ही थोक मंडियों से शहरों तक आने वाली आवश्यक वस्तुएं महंगी हो जाती हैं। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, इस ईंधन वृद्धि के कारण फल, सब्जियां, दालें और राशन की कीमतों में तत्काल तेजी आएगी। परिवहन लागत के दबाव के कारण देश की प्रमुख डेयरी कंपनियों (अमूल और मदर डेयरी) ने पहले ही दूध की कीमतों में 2 प्रति लीटर की बढ़ोतरी कर दी है।

3. खुदरा महंगाई दर में उछाल :

रेटिंग एजेंसी ICRA Ratings और इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च की रिपोर्ट के मुताबिक, पेट्रोल, डीजल और दूध की कीमतों में हुई इस संयुक्त बढ़ोतरी से देश की खुदरा महंगाई पर 42 बेसिस पॉइंट्स (0.42%) का अतिरिक्त दबाव पड़ेगा। ICRA ने मई 2026 के लिए अपने खुदरा महंगाई अनुमान को 4.1% से बढ़ाकर 4.3% कर दिया है।

4. किसानों पर दोहरी मार :

ग्रामीण क्षेत्र में इस समय खरीफ फसलों (धान, मक्का आदि) की बुवाई की तैयारियां चल रही हैं। खेती में जुताई के लिए ट्रैक्टर और सिंचाई के लिए डीजल पंप सेटों का भारी इस्तेमाल होता है। डीजल के दाम 4 से अधिक बढ़ने से किसानों की लागत काफी बढ़ जाएगी, जिससे उनके मुनाफे पर सीधा असर पड़ेगा।

5. लोन की किस्तें फिलहाल नहीं होंगी सस्ती :

महंगाई को काबू में रखना भारतीय रिजर्व बैंक की प्राथमिकता है। आर्थिक जानकारों का कहना है कि ईंधन की वजह से यदि महंगाई बढ़ती है, तो आरबीआई ब्याज दरों में कटौती के फैसले को टाल सकता है। इसका मतलब है कि आम जनता को होम लोन या कार लोन की एएमआई में राहत के लिए अभी लंबा इंतजार करना होगा।

जयपुर से ग्राउंड रिपोर्ट: पेट्रोल पंपों पर सन्नाटा और मायूसी

जयपुर के एमआई रोड, टोंक रोड और वैशाली नगर के पेट्रोल पंपों पर शनिवार सुबह आम उपभोक्ताओं की मिली-जुली प्रतिक्रिया और भारी निराशा देखने को मिली। टोंक रोड पर बाइक में तेल डलवाने आए एक निजी कंपनी के कर्मचारी अखिलेश पटेल ने कहा, 'मेरी सैलरी नहीं बढ़ती, लेकिन 10 दिन में पेट्रोल 5 महंगा हो गया। मेरा ऑफिस घर से 29 किलोमीटर दूर है। अब महीने का सिर्फ पेट्रोल का खर्च 2000 बढ़ जाएगा। समझ नहीं आता कि घर का राशन चलाएं या गाड़ी।'

ऑटो और कैब चालकों की परेशानी

सिंधी कैंप बस स्टैंड के पास खड़े ऑटो चालक यूनुस खान ने बताया, पेट्रोल-डीजल के साथ सीएनजी भी 2 महंगी हो गई है। सवारी पुराना किराया ही देना चाहती है। अगर हम किराया बढ़ाते हैं तो लोग बैठते नहीं हैं। दिनभर की कमाई अब सिर्फ तेल के पैसे चुकाने में जा रही है।

जयपुर में पेट्रोल और डीजल के दाम (23 मई 2026) :

पेट्रोल: 109.55 प्रति लीटर (3 बार की बढ़ोतरी के बाद कुल 4.74 महंगा हुआ)
डीजल: 94.67 प्रति लीटर

श्रीगंगानगर में देश का सबसे महंगा ईंधन :
राजस्थान के भीतर ही जिलों के अनुसार दाम बदलते हैं क्योंकि तेल डिपो से दूरी के आधार पर माल ढुलाई जुड़ती है। जयपुर के मुकाबले श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ में पेट्रोल की कीमत 117.20 + प्रति लीटर को पार कर चुकी है, जो पूरे भारत में ईंधन की सबसे ऊंची दरों में से है।

आगे क्या :

व्यापारियों का मानना है कि इस बढ़ोतरी का असली असर अगले 48 से 72 घंटों में दिखेगा, जब मंडियों में सब्जियों, फलों और दूध की नई खेप बढ़ी हुई ट्रांसपोर्टेशन दरों के साथ पहुंचेगी। जयपुर के मुहाना मंडी के आढ़तियों ने भी संकेत दिए हैं कि बाहरी राज्यों से आने वाले प्याज, आलू और फलों के दाम में 3 से 5 प्रति किलो की तेजी आ सकती है। वहीं दूध, दही और पनीर के दाम पहले ही बढ़ चुके है।

कल जयपुर आएंगे अमेरिकी विदेश-मंत्री मार्को रूबियो

आमेर महल में दिया कुमारी करेंगी स्वागत

अलर्ट मोड पर सुरक्षा एजेंसियां

लोक टुडे। जयपुर

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो 25 मई को जयपुर दौरे पर आ रहे हैं। प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार रूबियो 25 मई को दोपहर करीब 2 बजे जयपुर पहुंचेंगे और 26 मई सुबह 6:30 बजे यहां से रवाना होंगे। अपने जयपुर प्रवास के दौरान वे विश्व प्रसिद्ध आमेर महल समेत शहर के कई प्रमुख पर्यटन स्थलों का दौरा करेंगे। अमेरिकी विदेश मंत्री के दौरे को लेकर जयपुर प्रशासन, पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह अलर्ट मोड पर आ गई हैं।

सूत्रों के अनुसार मार्को रूबियो 25 मई को दोपहर करीब 3 बजे आमेर फोर्ट पहुंचेंगे। यहां राजस्थान की उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी उनका स्वागत करेंगी। आमेर महल के जलेब चौक में उनके स्वागत के लिए विशेष कार्यक्रम की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। पारंपरिक राजस्थानी संस्कृति की झलक दिखाने के लिए लोक कलाकारों और सांस्कृतिक दलों को भी तैयार किया जा रहा है।

सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद :

अमेरिकी विदेश मंत्री के दौरे को देखते हुए आमेर महल और आसपास के इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था बेहद कड़ी कर दी गई है। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने संभावित रूट और कार्यक्रम स्थलों का निरीक्षण शुरू कर दिया है। सुरक्षा एजेंसियां होटल, पर्यटन स्थल और वीवीआईपी मूवमेंट वाले क्षेत्रों में लगातार निगरानी बनाए हुए हैं। इसके अलावा ट्रैफिक मैनेजमेंट और आम जनता की आवाजाही को लेकर भी विशेष प्लान तैयार किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि मार्को रूबियो 24 से 26 मई तक भारत के अलग-अलग शहरों के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान उनका नई दिल्ली, जयपुर, आगरा और कोलकाता जाने का कार्यक्रम प्रस्तावित है। भारत दौरे के दौरान वे कई अहम बैठकों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में हिस्सा ले सकते हैं। माना जा रहा है कि यह दौरा भारत और अमेरिका के बीच रणनीतिक और कूटनीतिक संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो सकता है।

पर्यटन विभाग जुटा विशेष तैयारियों में :

जयपुर दौरे को लेकर पर्यटन विभाग भी विशेष तैयारियों में जुटा हुआ है। विदेशी मेहमानों के स्वागत के लिए आमेर महल सहित प्रमुख पर्यटन स्थलों पर साफ-सफाई, लाइटिंग और व्यवस्थाओं को बेहतर बनाया जा रहा है। प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि दौरे के दौरान किसी भी तरह की अव्यवस्था न हो। अमेरिकी विदेश मंत्री का यह दौरा जयपुर के पर्यटन और अंतरराष्ट्रीय पहचान के लिहाज से भी काफी अहम माना जा रहा है।

मंत्री-अफसरों की विदेश यात्राओं पर रोक

जयपुर।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पेट्रोल-डीजल बचाने सहित सात तरह की अपील के बाद राज्य सरकार ने सर्कुलर जारी किया है। मंत्रियों, अफसरों और कर्मचारियों की सरकारी खर्च पर विदेश यात्रा पर रोक लगा दी है।
वित्त विभाग ने फ्यूल बचाने के साथ सरकारी विभागों में खर्च घटाने के लिए गाइड लाइन भी जारी की है। सभी विभागों को इसका कठोरता से पालन करने का आदेश दिया गया हैं।

वित्त विभाग के सर्कुलर के अनुसार-अब सरकारी विभागों और सरकारी संस्थाओं में नए खरीदे जाने वाले वाहन ईवी ही होंगे। मौजूदा पेट्रोल-डीजल के वाहनों को फेजमेनर में ईवी में बदला जाएगा।

पहले फेज में शहरों में कामकाज वाले अफसरों के लिए नए वाहन ईवी ही खरीदे जाएंगे। सरकार में ठेके पर लिए जाने वाले वाहनों में भी धीरे-धीरे ईवी की अनिवार्यता लागू की जाएगी।

खुशी से सराबोर हुए नवनियुक्त युवा, केंद्रीय मंत्री ने थमाई देश सेवा की कमान

जयपुर के कॉन्सटीट्यूशन क्लब में आयोजित रोजगार मेले में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने युवाओं को दी सौगात, विभिन्न केंद्रीय विभागों में नवचयनित 420 अभ्यर्थियों को बांटे जॉइनिंग लेटर

लोक टुडे। जयपुर

केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को जयपुर का दौरा किया। अपने इस दौरे के दौरान उन्होंने जयपुर स्थित कॉन्सटीट्यूशन क्लब ऑफ राजस्थान में आयोजित भव्य रोजगार मेले में मुख्य अतिथि के रूप में हिस्सा लिया। केंद्रीय मंत्री ने कार्यक्रम में विभिन्न केंद्रीय विभागों के लिए चुने गए 420 प्रतिभावान युवाओं को अपने हाथों से नियुक्ति पत्र सौंपे और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। रेलमंत्री ने कहा कि रेलवे में जल्द ही 1 लाख 78 हजार पदों पर वैकेंसी निकाली जाएगी। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि रोजगार मिलने का अर्थ केवल व्यक्तिगत सुरक्षा नहीं है, बल्कि देश के प्रति जिम्मेदारी भी है। उन्होंने युवाओं से अपने कार्यकाल में 'देश प्रथम' की भावना के साथ काम करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में लोकसभा सांसद मंजू शर्मा और विधायक गोपाल शर्मा भी मौजूद रहे।

देशभर के 47 स्थानों पर हुआ रोजगार मेला :

रोजगार मेले से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े। प्रधानमंत्री ने बटन दबाकर देशभर में आयोजित रोजगार मेले की शुरुआत की, जिसके तहत 51 हजार अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र बांटे गए। यह कार्यक्रम देशभर के 47 स्थानों पर एक साथ आयोजित किया गया। रोजगार मेले के माध्यम से रेलवे, इसरो, स्वास्थ्य, परिवार कल्याण, शिक्षा, डाक विभाग समेत विभिन्न केंद्रीय विभागों में चयनित युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए गए।

रेलवे में चार चरणों में निकाली जा रही भर्तियां

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि रेलवे में 1 लाख 78 हजार भर्तियों पर काम चल रहा है। उन्होंने कहा कि पहले भर्ती प्रक्रियाएं लंबे समय तक चलती थीं, लेकिन अब रेलवे में वार्षिक भर्ती कैलेंडर लागू किया गया है। इसके तहत हर साल चार चरणों में भर्तियां निकाली जा रही हैं। उन्होंने बताया कि पहले क्वार्टर में लोको पायलट, दूसरे क्वार्टर में टेक्निशियन और अन्य श्रेणियों, तीसरे क्वार्टर में नॉन टेक्निकल पॉपुलर कैटेगरी जैसे स्टेशन मास्टर और जूनियर इंजीनियर तथा चौथे क्वार्टर में लेवल-1 की भर्तियों के नोटिफिकेशन जारी किए जाते हैं। इससे युवाओं को भर्ती प्रक्रिया की स्पष्ट जानकारी और समयबद्ध अवसर मिल रहे हैं।

विकसित भारत में युवाओं की बड़ी भूमिका : प्रधानमंत्री मोदी

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि सरकारी नौकरी का नियुक्ति पत्र केवल रोजगार नहीं, बल्कि देश की विकास यात्रा में भागीदारी का अवसर है। उन्होंने कहा कि रेलवे, बैंकिंग, रक्षा, शिक्षा और अन्य क्षेत्रों में जिम्मेदारी संभालने जा रहे युवा विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस उपलब्धि में युवाओं के माता-पिता और समाज का भी योगदान है, इसलिए सभी को समाज के प्रति अपने दायित्व को समझना चाहिए। उन्होंने हाल ही में अपनी विदेश यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि दुनिया भारत के युवाओं और भारत की तकनीकी प्रगति को लेकर उत्साहित है। प्रधानमंत्री ने कहा कि विभिन्न देशों के साथ भारत की साझेदारी का उद्देश्य युवाओं को ग्लोबल एक्सपोजर देना है। उन्होंने बताया कि नीदरलैंड के साथ सेमीकंडक्टर सेक्टर को लेकर महत्वपूर्ण चर्चा हुई है, जिससे आने वाले समय में युवाओं के लिए नए अवसर तैयार होंगे।

राजस्थान में 200 नई ट्रेनें चलाने की तैयारी :

रेल मंत्री ने कहा कि भारतीय रेलवे लगातार विस्तार कर रही है। नई ट्रेनें शुरू की जा रही हैं और देशभर में 36 हजार किलोमीटर नए ट्रैक बिछाने का काम चल रहा है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में चल रहे रेलवे प्रोजेक्ट पूरे होने के बाद राज्य में 200 नई ट्रेनें चलाने की योजना है। कोविड के बाद राजस्थान को 50 से अधिक नई ट्रेनें दी जा चुकी हैं। इस दौरान रेल मंत्री ने युवाओं से संवाद भी किया और उन्हें देश निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का संदेश दिया।

सम्पादकीय

"मानवता सुख शांति प्रेम का, अखिल विश्व में हो विस्तारस्वतंत्रता का हनन न होवे, रहे सुरक्षित जन अधिकार"

पाक में पलते आतंकी

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में भारत के लिए खतरा बने एक और आतंकी सरगना हमजा बुरहान का मारा जाना यही बताता है कि ऐसे आतंकियों को ठिकाने लगाने वाले अज्ञात बंदूकधारी अपने काम पर लगे हुए हैं। पुलवामा का रहने वाला हमजा पाकिस्तान पढ़ने के लिए गया था, लेकिन वहां जाकर वह आतंकी संगठन अल बद्र का गुर्गा बन गया और कश्मीरी युवाओं को आतंक के रास्ते पर चलने के लिए उकसाने लगा। पुलवामा आतंकी हमले में उसका भी हाथ था। हालांकि वह अपनी पहचान छिपाकर रह रहा था, लेकिन फिर भी अज्ञात बंदूकधारियों की निगाह से बच नहीं पाया। प्रश्न यह नहीं है कि इन अज्ञात बंदूकधारियों के पीछे कौन है?

> "पिछले पांच-छह वर्षों से अब तक अज्ञात बंदूकधारियों की ओर से कम से कम दो दर्जन ऐसे आतंकियों का खात्मा किया जा चुका है, जिन्होंने भारत में आतंकी हमले कराए।"

प्रश्न यह है कि आखिर पाकिस्तान भारत के लिए खतरा बने आतंकियों को पालने-पोसने से कब बाज आएगा? चूंकि वह बाज नहीं आ रहा है, इसलिए वहां पल रहे आतंकियों का येन-केन-प्रकारेण खात्मा ही भारत के हित में है। जब सीधी अंगुली से घी न निकले तो अंगुली टेढ़ी करनी ही पड़ती है और आतंकियों के खात्मे में तो साम-दाम-दंड-भेद यानी कोई भी जतन करने में हर्ज नहीं। यह अच्छा है कि भारत में आतंकी हमले कराने अथवा कश्मीरी युवाओं को भड़काने वाले आतंकियों के खात्मे का सिलसिला न केवल कायम है, बल्कि वह तेज होता हुआ भी दिख रहा है। यह इतना तेज होना चाहिए कि पाकिस्तान में पल रहे आतंकियों के साथ-साथ वहां के सत्ता प्रतिष्ठान को भी यह संदेश जाए कि भारत को क्षति पहुंचाने वाले सुरक्षित बचने वाले नहीं हैं। और भी अच्छा यह होगा कि भारत के लिए खतरा बने आतंकियों को पालने-पोसने और उन्हें हर तरह की मदद देने वालों तक भी अज्ञात बंदूकधारी पहुंचें। पिछले पांच-छह वर्षों से अब तक अज्ञात बंदूकधारियों की ओर से कम से कम दो दर्जन ऐसे आतंकियों का खात्मा किया जा चुका है, जिन्होंने भारत में आतंकी हमले कराए। इनमें जैश, लश्कर के कई आतंकी सरगना हैं। ऐसे शेष आतंकियों की लंबी सूची है। इनमें मसूद अजहर और हाफिज सईद जैसे आतंकी सरगना तो हैं ही, दाऊद इब्राहिम भी है। भारत विरोधी आतंकियों की लंबी सूची यही बताती है कि पाकिस्तान का सत्ता प्रतिष्ठान और विशेष रूप से उसकी खुफिया एजेंसी आइएसआइ इन आतंकियों को बिना किसी शर्म-संकोच पाल रही है, लेकिन अज्ञात बंदूकधारियों से वे लाहौर से लेकर पेशावर तक कहीं भी नहीं बच पा रहे हैं। उन्हें बचना भी नहीं चाहिए। पता नहीं ढीठ पाकिस्तान के लिए यह कितनी चिंता का विषय है कि उसके यहां पलते आतंकियों को कौन मार रहा है, लेकिन कम से कम भारत को इसे लेकर सतर्क रहना चाहिए कि पहलगाम हमले के बाद छेड़े गए आपरेशन सिंदूर में पस्त होने के बाद भी वह भारत में आतंकी हमलों की साजिश रचने में लगा हुआ है।

भारत-इटली रणनीतिक साझेदारी को नया विस्तार

इस दौर में वैश्विक स्तर पर कई तरह की नई चुनौतियां खड़ी हो रही हैं। ऐसे में भारत और इटली के बीच द्विपक्षीय संबंधों को एक अहम अध्याय के रूप में देखा जा रहा है। दरअसल, दोनों देशों ने वर्ष 2029 तक अपने बीच होने वाले व्यापार को नई ऊंचाई देने का एक महत्वपूर्ण संकल्प लिया है। यों कुछ समय पहले भारत और यूरोपीय संघ के बीच हुए मुक्त व्यापार समझौते ने एक नई जमीन रची थी, लेकिन अब भारत और इटली के बीच दुर्लभ खनिजों के मुद्दे पर हुए समझौते के अलावा आतंकवाद के खिलाफ सहयोग पर जो सहमति बनी है, उससे उम्मीद बंधी है कि दोनों देशों के संबंधों को एक नया आयाम मिलेगा। इसके अलावा रणनीतिक साझेदारी पर भी अहम समझौतों के साथ रक्षा, व्यापार और नवाचार से लेकर अन्य कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग के कदम बढ़ते दिख रहे हैं। मगर यह धरातल पर कितना उतरेगा, अभी कहना मुश्किल है। उम्मीद की जा रही है कि वैश्विक स्तर पर बदलते

> "अब भारत और इटली के बीच दुर्लभ खनिजों के मुद्दे पर हुए समझौते के अलावा आतंकवाद के खिलाफ सहयोग पर जो सहमति बनी है, उससे उम्मीद बंधी है कि दोनों देशों के संबंधों को एक नया आयाम मिलेगा।"

समीकरणों के बीच रक्षा तथा आर्थिक संबंध और समुद्री परिवहन में सहयोग बढ़ाने का संकल्प द्विपक्षीय संबंधों को नया विस्तार देगा। खासतौर पर अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर जो समझौते हुए हैं, वे भविष्य में हमारी जरूरतों को पूरा करने के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण हैं। अगर ये जमीन पर उतरते हैं, तो इसे एक महत्वपूर्ण कूटनीतिक उपलब्धि माना जाएगा, जो शायद दोनों देशों के संबंधों को एक नए स्तर पर आगे ले जाए। भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे पर सहयोग करने की प्रतिबद्धता से भी स्पष्ट है कि साझेदारी का दायरा बढ़ा है। गौरतलब है कि इटली, यूरोपीय संघ में भारत का चौथा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। रणनीतिक साझेदारी कई स्तरों पर बढ़ने जा रही है, लेकिन अच्छी बात यह है कि विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग के लिए एक व्यापक रूपरेखा बनेगी और दोनों देश संयुक्त रणनीतिक कार्ययोजना की समीक्षा करेंगे। आतंकवाद के वित्तपोषण से निपटने के लिए साझा प्रयास करने पर दोनों देशों के बीच बनी सहमति वक्त की जरूरत है। हालांकि, फिलहाल संयुक्त रणनीतिक कार्ययोजना का भविष्य इस बात पर निर्भर करेगा कि दोनों देश इसे व्यावहारिक स्तर पर कितना और कैसे लागू करते हैं। भारत और इटली के संबंध अब एक निर्णायक दौर में पहुंच चुके हैं। हाल के वर्षों में दोनों देशों के रिश्तों में अभूतपूर्व तेजी से विस्तार हुआ है। ये संबंध अब केवल सौहार्दपूर्ण मित्रता तक सीमित नहीं हैं, बल्कि स्वतंत्रता और लोकतंत्र के मूल्यों तथा भविष्य के साझा दृष्टिकोण पर आधारित एक विशेष रणनीतिक साझेदारी में बदल चुके हैं। ऐसे समय में, जब पूरी दुनिया की व्यवस्था बड़े बदलाव के दौर से गुजर रही है, इटली और भारत की साझेदारी उच्च राजनीतिक एवं संस्थागत स्तर पर लगातार संवाद से आगे बढ़ रही है। ये संबंध अब एक नए और अधिक व्यापक स्तर पर पहुंच रहे हैं, जिसमें दोनों देशों की आर्थिक ताकत, सामाजिक रचनात्मकता और हजारों वर्षों पुरानी सभ्यतागत विरासत शामिल है।

कोचिंग संस्कृति की चपेट में शिक्षा

बद्री नारायण

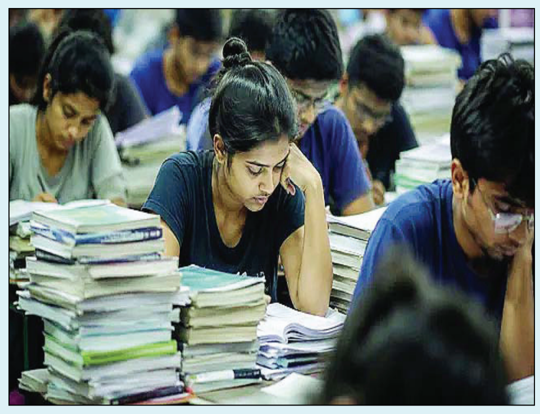

> "यह ठीक है कि नीट निरस्त होने से छात्रों और अभिभावकों के तनाव का क्षण लंबा हो गया, पर पुनः परीक्षा अयोग्य एवं भ्रष्ट शक्तियों के कब्जे की साजिश को रोकने की कोशिश है।"

मेडिकल कालेजों में प्रवेश की परीक्षा नीट के पेपर लीक कांड ने सभी को दुखी और चिंतित किया है। नीट पेपर लीक कांड ने बताया कि किस तरह पैसा, बढ़ते लालच और अयोग्य होकर भी योग्य छात्रों की सीट छीनने की चाहत के त्रिकोण ने ऐसी घटनाओं को जन्म दिया है। इसी त्रिकोण ने मेडिकल, इंजीनियरिंग और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के साथ-साथ लिपिक पद की परीक्षाओं तक के लिए भी देश भर में कोचिंग का जाल खड़ा कर दिया है। देश में अनेक कोचिंग हब बन गए हैं। आनलाइन-आफलाइन के कोचिंग तंत्र विकसित हो गए हैं और कोचिंग व्यवसाय एक इंडस्ट्री का रूप ले चुका है। यह इंडस्ट्री अब अत्यंत समर्थ और शक्तिवान हो गई है। इसका टर्नओवर छह मिलियन डालर का हो गया है। आने वाले वर्षों में इसके 17 मिलियन डालर हो जाने की संभावना है। इस इंडस्ट्री में प्रतिवर्ष लगभग 17 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की जा रही है। जिस व्यवसाय में इतना अपार धन निहित हो, वह किसी भी फूलप्रूफ सिस्टम में छेद कर पेपर लीक करा सकता है। नीट पेपर लीक कांड में गिरफ्तार कुछ लोग कोचिंग व्यवसाय से भी जुड़े हैं। वास्तव में हर सिस्टम में ऐसे लोग होते हैं, जिनमें लालच अपना फन छुपाए प्रवेश कर जाता है। इसीलिए हाल में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने पेपर लीक को एक सामाजिक बुराई कहा। ऐसी सामाजिक बुराई के खिलाफ सरकार और समाज, दोनों को साथ आकर काम करना होगा। सरकार अपनी व्यवस्था को दुरुस्त करने में तो लगी ही है, लोगों को भी खुद एक नैतिक समाज में तब्दील होना होगा। मेडिकल कालेजों की सीट में हेराफेरी में अनेक स्तरों पर कमीशनखोर एजेंट्स, कंसलटेंट नुमा दलालों और पेपर लीक करने वालों का जाल फैला हुआ है। यह बड़े शहरों से लेकर कस्बों तक फैल गया है।

1980 के दशक में जब हम स्कूली छात्र थे तो कोचिंग संस्थानों का जाल इतना नहीं फैला था। तब सरकारी स्कूल बेहतर स्थिति में थे और कमजोर छात्रों के लिए ही कोचिंग आवश्यक मानी जाती थी। 1990 के दशक के बाद सरकारी स्कूल व्यवस्था कई जगह पर कमजोर हुई। इसका लाभ शिक्षा को व्यवसाय मानने वालों ने उठाया। यह वही दौर था जब भारत में मध्य वर्ग का कई गुना विस्तार हुआ। नव उदारवादी अर्थव्यवस्था के आने के बाद जब बाजार आक्रामक हुआ तो उसने शिक्षा और परीक्षा को भी अपनी चपेट में ले लिया। इसी समस्या को देखते हुए मोदी सरकार ने जो नई शिक्षा नीति बनाई, उसमें शिक्षा मंत्रालय का सबसे ज्यादा जोर शिक्षा के माध्यम से ऐसा नैतिक मानस सृजित करना है, जो परंपरा से जुड़ा हुआ आधुनिक नवाचारी नागरिक हो। शिक्षा मंत्रालय ने इस बार जैसे ही नीट पेपर लीक की खबर आई, त्वरित निर्णय लेते हुए उसे निरस्त किया और जांच सीबीआइ को सौंप दी। इसके साथ ही परेशान छात्रों के लिए आर्थिक एवं व्यवस्थागत सहयोग की कई घोषणाएं कीं।

शिक्षा मंत्रालय का यह कदम योग्य छात्रों के हक पर अयोग्य एवं अनैतिक शक्तियों के कब्जा करने की रणनीति के खिलाफ एक सख्त पहल के रूप में भी देखा जाना चाहिए। यह कदम अनैतिक शक्तियों के मंसूबों पर पानी फेरने वाला है। पिछली बार जब ऐसी घटना हुई थी तो शिक्षा मंत्रालय ने कई सुधारात्मक कदम उठाए थे। पेपर लीक में लिप्त पाए गए लोगों को कठोर सजा देने के लिए सरकार ने पब्लिक एग्जामिनेशन प्रिवेंशन आफ अनफेयर मीन्स एक्ट बनाया और ऐसे मामलों से निजात पाने के लिए राधाकृष्णन कमेटी का गठन किया। एनटीए ने इस कमेटी की कुछ सिफारिशों को लागू भी किया है। इस कमेटी के सुझावों के अनुसार शिक्षा मंत्री ने अगले साल से नीट-यूजी, पीजी परीक्षा सीबीटी यानी कंप्यूटर बेस्ड टेस्ट के रूप में कराने की घोषणा की है। इससे एक लाभ यह होगा कि परीक्षा की पूरी प्रक्रिया में मानवीय हस्तक्षेप कम होगा।

संपूर्ण व्यवस्था एवं प्रक्रिया काफी कुछ डिजिटल मोड में आ जाएगी। यह ठीक है कि इस मोड में परीक्षा कई दिन और कई सेट प्रश्नपत्रों के साथ करानी होगी और परीक्षा के मूल्यांकन हेतु संतुलित नार्मलाइजेशन की प्रक्रिया भी अपनानी होगी, लेकिन इससे लाभ यह होगा कि पेपर लीक की आशंका लगभग खत्म हो जाएगी। एक तरफ एनटीए अपनी व्यवस्था चाक चौबंद बनाने में लगा है, दूसरी तरफ छात्र पुनः परीक्षा की तैयारी में जुटे हैं। इस बीच विरोधी दलों ने सरकार पर आक्रमण तेज कर दिया है, लेकिन पेपर लीक जैसे मुद्दे कभी भी राजनीतिक नहीं होते। ये बड़े अर्थों में सामाजिक मुद्दे भी होते हैं। पेपर लीक से निजात पाने के लिए हम सबको अपने अंदर झांककर खुद को सुधारते रहने होगा। आखिर पैसा देकर पेपर लीक कराने और लीक पेपर खरीदने वाले इसी समाज के लोग ही हैं। यह सब आरोप-प्रत्यारोप करने का नहीं। विकास के बड़े लक्ष्य पाने एवं देश के नव उत्थान का है। यह ठीक है कि नीट निरस्त होने से छात्रों और अभिभावकों के तनाव का क्षण लंबा हो गया, पर पुनः परीक्षा अयोग्य एवं भ्रष्ट शक्तियों के कब्जे की साजिश को रोकने की कोशिश है। यह वह प्रक्रिया है, जिससे गुजरकर ही नीट के प्रतिभागी छात्र एक नई सुबह तक पहुंच पाएंगे।

केवल किफायत से नहीं चलेगा काम

तरुण गुप्त

किसी भी संस्कृति और समय में मितव्ययिता की महत्ता रहती है। 'पैसा बचाना भी पैसा कमाने के बराबर है' से लेकर %फिजूलखर्ची से तो कुबेर का खजाना भी खत्म हो जाता है% जैसी कहावतें भी मितव्ययिता को ही सराहती हैं। अतीत में भी ऐसे अवसर आए हैं, जब सत्ता में बैठे लोगों ने सार्वजनिक जीवन में शुचिता प्रदर्शित की है, किंतु प्रायः ऐसे प्रयासों की प्रकृति प्रतीकात्मक ही रही है। हम यही आशा करते हैं कि इस बार किफायत के ये प्रयास दिखावटी न होकर ठोस लाभ एवं अपेक्षित परिणाम सुनिश्चित करेंगे। भले ही किफायत बरतना कितना ही सराहनीय क्यों न हो, लेकिन उससे एक सीमित दायरे में ही लाभ प्राप्त हो सकता है। जैसे केवल खर्चों में कटौती करके ही कोई संस्थान शीर्ष पर नहीं पहुंच सकता, इसके साथ ही उसे अपनी आय बढ़ाने के भी उपाय करने होंगे। भारत के संदर्भ में देखें तो यह किसी से छिपा नहीं रहा कि राजस्व बढ़ाने के लिए विनिवेश के साथ ही भूमि के मौद्रीकरण को लेकर भी हमारा प्रदर्शन लचर रहा है। केंद्र और राज्य सरकारों के पास लाखों एकड़ भूमि अनुत्पादक पड़ी है, जिसकी कीमत का अनुमान लगाना भी मुश्किल है। केवल रक्षा और रेल मंत्रालय की ही बात करें तो उनके पास 15 से 18 लाख एकड़ से अधिक भूमि का भंडार है। इस जमीन का एक अच्छा-खासा हिस्सा शहरी क्षेत्रों में है।

इस अनुत्पादक भूमि को मुक्त कर उत्पादक बनाने की दिशा में अविलंब प्रयास करने होंगे। यह भी अनदेखा नहीं किया जा सकता कि नेताओं एवं नौकरशाहों के आवास की व्यवस्था औपनिवेशिक काल की विशाल संपत्तियों पर है। यह अतीत का ही एक अवशेष है। किसी टियर-2 शहर में एक जिला कलेक्टर का सौ करोड़ रुपये के औपनिवेशिक काल के बंगले में रहना गैर-निष्पादित आस्ति यानी एनपीए से कम नहीं। इसे देखते हुए प्रशासकों को आधुनिक बहुमंजिला परिसरों में रखने के उपाय न केवल किफायती, बल्कि वाणिज्यिक उपयोग, मनोरंजन और किफायती आवास की पूर्ति का माध्यम बनेंगे। इससे रखरखाव और सुरक्षा के खर्चों में भी भारी बचत होगी। राष्ट्रीय भूमि मुद्रीकरण निगम (एनएलएमसी) को इस आमूलचूल बदलाव की दिशा में कदम बढ़ाने ही चाहिए। निस्संदेह पिछले 12 वर्षों में सड़क, रेल, हवाई संपर्क और बिजली उत्पादन जैसे बुनियादी ढांचे में जबरदस्त प्रगति हुई है। फिर भी, इसे और चार गुना बढ़ाने की आवश्यकता है, जहां पूंजी को उत्पादक गतिविधियों में लगाने के अवसर विद्यमान हैं। इस क्रम में भूमि, श्रम और पूंजी से जुड़े अगली पीढ़ी के सुधार प्रतीक्षित हैं। यह भी स्मरण रहे कि कारोबारी सुगमता और जीवन की सुगमता अन्योन्याश्रित हैं। इसलिए

स्वच्छता के स्तर, शहरी नियोजन और नगर निकायों के शासन में ठोस सुधार सामाजिक-आर्थिक वातावरण के लिए आवश्यक ही नहीं अनिवार्य हैं। संरचनात्मक न्यायिक सुधार किसी बड़े निवेशक सम्मेलन की तुलना में उद्यमशीलता की भावना को कहीं अधिक बढ़ाने का काम करेंगे। इससे हर स्तर पर निवेश को संबल मिलेगा। भारतीय बाजार को बफेट संकेतक यानी जीडीपी के अनुपात में समग्र शेयर बाजार पूंजीकरण पैमाने को देखें तो कई विकसित और तुलनात्मक अर्थव्यवस्थाओं के सापेक्ष भारत कहीं बेहतर स्थिति में है, लेकिन पिछले डेढ़ साल से विदेशी निवेशकों की बिकवाली पर विराम नहीं लग पा रहा है। इस दिशा में कुछ उपायों जैसे कि सीमांत दरों पर लाभांश कराधान (डिविडेंड टैक्स) और दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ कर (एलटीसीजी) से इंडेक्सेशन को वापस लेने पर पुनर्विचार किया जा सकता है। इसका उद्देश्य भारतीय इक्विटी बाजारों को अधिक आकर्षक बनाना है। यह एक स्वाभाविक प्रवृत्ति होती है कि स्वयं को अधिक समृद्ध महसूस करने पर ही निवेशक अधिक उपभोग को उन्मुख होते हैं। स्थलों की विविधता एवं व्यापकता को देखते हुए पर्यटन एक दमदार आर्थिक इंजन बनने की क्षमता रखता है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों के आगमन में भारत का हिस्सा मात्र एक प्रतिशत पर अटका हुआ है। रोजगार आधारित विकास की दृष्टि से यह क्षेत्र बेजोड़ है, जहां प्रत्येक 10 लाख रुपये का निवेश औसतन 45 नौकरियां सृजित करता है, जो विनिर्माण की तुलना में तीन गुना और इन्फ्रास्ट्रक्चर की तुलना में छह गुना अधिक है। नागरिकों से विदेशी सैर-सपाटे पर संयम की अपील में भले ही कितनी ही भली मंशा क्यों न निहित हो, किंतु घरेलू पर्यटन को आकर्षक बनाना कहीं अधिक प्रभावी होगा। इससे भारी विदेशी पर्यटन घाटे को पाटने में भी मदद मिलेगी, जिस पर भारतीय सालाना 15 से 20 अरब डालर खर्च करते हैं। इस क्रम में शिक्षा संभवतः सबसे बड़ा परिवर्तनकारी कारक है। हमें तत्काल मांग और आपूर्ति के गंभीर असंतुलन को दूर करने, गुणवत्तापूर्ण सार्वभौमिक स्कूली शिक्षा में निवेश करने और उच्च शिक्षा में सीटों के विस्तार की आवश्यकता है। राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) की कार्यप्रणाली में कमियों और बड़े पैमाने पर पेपर लीक को लेकर संस्थागत विश्वसनीयता बहाल करने के लिए उपाय करने होंगे। विदेशी छात्रों को आकर्षित करने से जहां मूल्यवान विदेशी मुद्रा अर्जित होती है, वहीं भारतीय छात्रों को देश में ही रोकने से प्रतिभा और पूंजी के पलायन पर रोक लगती है। बहुप्रचारित जनसांख्यिकीय लाभांश तभी बेहतर परिणाम देगा जब इसे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा द्वारा उपयोग में लाया जाएगा। स्वास्थ्य सेवाओं के साथ ही यह किसी भी विकसित समाज के लिए एक अनिवार्य शर्त है। ये सभी उपाय सहकारी संघवाद से ही संभव हो सकते हैं। केंद्र और लगभग 70 प्रतिशत राज्यों में एक ही दल या गठबंधन वाली शासन व्यवस्था के दौर में इसके लिए आवश्यक ढांचागत परिवर्तन में कोई वैचारिक या प्रक्रियात्मक बाधा नहीं आनी चाहिए। प्रधानमंत्री ने सही कहा कि 2020 का दशक व्यवधानों से भरा रहा है। इसकी शुरुआत महामारी के साथ हुई। उसके बाद से कई सशस्त्र वैश्विक संघर्ष जारी हैं। इसी बीच संरक्षणवाद की वापसी ने काफी समय से कायम पुरानी व्यवस्था को उलट दिया। कहते हैं कि हर संकट में एक अवसर छिपा होता है तो क्या यह ऐतिहासिक पड़ाव परिवर्तन की अग्नि को प्रज्वलित कर सकता है? छिटपुट सुधारों और सीमित गति वाली प्रगति का दौर अब बीत चुका है। अब व्यापक सुधार करने, सक्षम प्रदर्शन और गहन रूपांतरण का समय है।

समूह में उम्र नहीं, उत्साह मायने रखता है

वृद्धावस्था में सबसे बड़ी जरूरत केवल दवाइयों की नहीं, बल्कि सहारे, अपनत्व और सही मार्गदर्शन की भी होती है। यही कारण है कि आज कई स्थानों पर सामूहिक वार्तालापों और समूह आधारित कार्यक्रमों को बढ़ावा दिया जा रहा है। इनका उद्देश्य केवल बातचीत करना नहीं, बल्कि बुजुर्गों के जीवन को अधिक स्वस्थ, सुरक्षित और आनंदमय बनाना है।

इन सामूहिक बैठकों/कार्यक्रमों की सबसे बड़ी खूबी यह होती है कि ये वृद्धों को यह एहसास कराते हैं कि वे अकेले नहीं हैं। समाज उनके साथ खड़ा है। जब एक उम्र के लोग साथ बैठते हैं, अपने अनुभव साझा करते हैं और एक-दूसरे की समस्याओं को समझते हैं, तो मन का बोझ हल्का हो जाता है। इसके अलावा, कई बार जो बात डॉक्टर या किताबें नहीं समझा पातीं, वह साथी बुजुर्गों की साधारण सलाह समझा देती है। इन बैठकों या कार्यक्रमों में भोजन और पोषण पर भी चर्चा होती है, क्योंकि बढ़ती उम्र में सबसे बड़ी दिक्कत इन्हें लेकर ही रहती है। समूह में हर कोई ?अपने-अपने अनुभव साझा करता है। उनकी छोटी-छोटी जानकारियां बाकी लोगों के लिए बड़े काम की साबित होती हैं। कुछ बुजुर्ग महिलाएं रसोई में ही उपलब्ध चीजों से पौष्टिक व्यंजन व पेय बनाने की विधियां एक-दूसरे को सिखाती हैं। इससे स्वास्थ्य तो सुधरता ही है, उनका आत्मविश्वास भी बढ़ता है। प्रबल यात्रा कार्यक्रम जैसे प्रयासों में घर के आसपास सब्जियां उगाने पर विशेष जोर दिया गया है। गांवों में कई बुजुर्ग अपने आंगन या घर के पीछे थोड़ी-सी जमीन में ही हरी सब्जियां उगा लेते हैं। इससे एक तो ताजी सब्जियां मिलती हैं और बागवानी करने से मन को सुकून भी। कई बुजुर्ग तो मजाक में कहते हैं कि पेड़-पौधे हमारे सबसे शांत दोस्त होते हैं, उन्हें पानी दो, तो मुस्कुरा उठते हैं। अक्सर वरिष्ठ नागरिक यह सोचकर व्यायाम नहीं करते कि अब उम्र निकल गई है। पर, हल्की-फुल्की शारीरिक गतिविधि वृद्धावस्था में और भी जरूरी हो जाती है। इसलिए, ऐसी बैठकों में बेहद आसान व्यायाम भी सिखाए जाते हैं। कई गांवों में तो बुजुर्ग समूह बनाकर पार्क या चौपाल में ही व्यायाम करते हैं। मानसिक स्वास्थ्य को ठीक रखने के लिए भी कई रोचक उपाय किए जाते हैं। कोई पहेलियां पूछता है, कोई पुरानी कहावतें याद दिलाता है, तो कोई गीत गुनगुनाता है। कई जगह स्मृति बढ़ाने वाले खेल भी खेले जाते हैं। इससे अकेलापन कम होने के साथ दिमाग भी चुस्त बना रहता है। वृद्धावस्था में शरीर कमजोर होने के कारण कई बार फिसलन, टूटी सीढ़ियां या अंधेरा दुर्घटनाओं का कारण बन जाते हैं। इसलिए, इन कार्यक्रमों या समूहों में घर और आसपास के सुरक्षित वातावरण पर भी चर्चा की जाती है। आज जरूरत केवल अस्पताल और दवाइयों की नहीं, बल्कि ऐसे संवेदनशील समाज की है, जहां वरिष्ठ नागरिक सम्मान व खुशी के साथ जीवन बिता सकें। यदि गांव, मोहल्ले व परिवार मिलकर छोटे-छोटे प्रयास करें, तो वृद्धावस्था जीवन का शांत व सुंदर पड़ाव बन सकती है। जिसने जीवन भर दूसरों को सहारा दिया, उसके कांपते हाथों को थाम लेना ही सच्ची संवेदना है। बुजुर्ग किसी घर का पुराना सामान नहीं, बल्कि उस दीपक की तरह होते हैं, जिसकी लौ भले धीमी हो जाए, पर वह घर को रोशन करना कभी नहीं छोड़ती।

विकास दर के अनुमान में कटौती, 2026 में भारत के सामने बढ़ सकती हैं आर्थिक चुनौतियां

इसमें कोई दोराय नहीं कि ईरान के खिलाफ अमेरिका और इजराइल के हमले के बाद जिस स्तर पर वैश्विक अनिश्चितता की स्थिति पैदा हुई, उसका प्रभाव दुनिया के ज्यादातर देशों पर पड़ा है। भारत में भी आपूर्ति शृंखला बाधित होने की वजह से कई स्तर पर झटके लगे हैं, जिसका सीधा असर देश की आर्थिक संरचना पर पड़ा है। इसके बावजूद भारत ने अपने स्तर पर हालात से निपटने की कोशिश की है और यही वजह है कि आने वाले दिनों की चुनौतियों के समांतर कुछ सकारात्मक संकेत अब भी कायम हैं। वैश्विक स्तर पर ज्यादातर देशों को लगे आर्थिक झटकों के असर का दायरा अब भी फैल रहा है और शायद संयुक्त राष्ट्र की ओर से इन्हीं वजहों से भारत की विकास दर प्रभावित होने की आशंका जाहिर की गई है। संयुक्त राष्ट्र के आर्थिक और सामाजिक मामलों के विभाग की ओर से मंगलवार को जारी रिपोर्ट में भारत की आर्थिक विकास दर के अनुमान में कटौती कर दी गई है। इसके मुताबिक, वर्ष 2026 में भारत की विकास दर 6.6 प्रतिशत से घटकर 6.4 प्रतिशत हो सकती है। निश्चित तौर पर यह भारत के लिए एक चुनौती भरा वक्त साबित हो सकता है, लेकिन संयुक्त राष्ट्र ने जिस तरह विकास दर में इस अनुमानित संशोधन के बावजूद भारत को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में एक बने रहने का आकलन पेश किया है, उससे एक उम्मीद भी पैदा होती है। दरअसल, पश्चिम एशिया में युद्ध के बाद जैसी स्थितियां पैदा हुईं, उसका असर इस रूप में आने की आशंका पहले से जताई जा रही थी। सच यह है कि न केवल भारत, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए अप्रत्याशित साबित हो रहे संकट का दायरा और भी विस्तृत हो सकता है, क्योंकि 2026 के लिए वैश्विक जीडीपी वृद्धि का अनुमान भी महज 2.5 प्रतिशत आंका गया है। यह छिपा नहीं है कि दुनिया के ज्यादातर प्रभावित देशों में इसकी वजह से विकास की रफ्तार धीमी हुई है और सभी जगहों पर महंगाई का दबाव तेजी से बढ़ा है।

आम लोगों की क्रयशक्ति कमजोर होने का सीधा असर बाजार पर पड़ता है और उसका सिरा आगे उत्पादन क्षेत्र तक भी जाता है। ऐसे में इससे निपटने के लिए नीति-निर्माण के मामले में विकल्प कम होते जाते हैं। हालांकि वैश्विक स्तर पर बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव, ऊर्जा कीमतों में उछाल और व्यापारिक अनिश्चितता का प्रत्यक्ष प्रभाव भारत समेत कई अर्थव्यवस्थाओं पर पड़ रहा है। खासतौर पर ईरान और अमेरिका-इजराइल युद्ध से उपजे हालात में तेल आयात पर निर्भर countries की चिंताएं बढ़ीं हैं। सच यह है कि जिस तरह ईरान ने होर्मुज जलमार्ग को बाधित किया, उसकी वजह से अन्य देशों के साथ-साथ भारत को भी इसका बड़ा खमियाजा उठाना पड़ा है। यों भारत ने इसका विकल्प निकालने की कोशिश की है और तेल आयात के लिए अन्य कुछ देशों के साथ कूटनीतिक संवाद कायम किया है, लेकिन फिलहाल बाधित आपूर्ति शृंखला की वजह से अर्थव्यवस्था गंभीर रूप से प्रभावित हो सकती है। ऐसे में ऊर्जा आयात के क्षेत्र में बढ़ती लागत और वित्तीय स्थितियों पर लगातार बढ़ते दबाव की वजह से अगर भारत की विकास दर भी चुनौतियों के बीच है, तो यह एक स्वाभाविक स्थिति है। मगर इसका सामना करना इस बात पर निर्भर है कि सरकार नए विकल्पों को लेकर कितनी स्पष्ट है और कितनी इच्छाशक्ति के साथ पहल करती है। भू-राजनीतिक उथल-पुथल और पश्चिम एशिया में युद्ध से उपजे संकट के बीच भारत को भी कई तरह की अनिश्चितताओं और चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इस स्थिति में वैश्विक एजेंसियों की अलग-अलग रिपोर्ट में भारत की विकास दर में कमी आने के संकेत सामने आ रहे हैं। अब देश में बढ़ती महंगाई से यह चुनौती और बड़ी होती दिख रही है। हाल ही में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में तीन-तीन रुपए की वृद्धि, खुदरा और थोक महंगाई दर के बढ़कर क्रमशः 3.48 प्रतिशत और 8.3 प्रतिशत हो जाने, निर्यात में कमी और आयात लागत में उछाल जैसे कारणों से अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ने लगा है।

शुभमन ने तीसरी बार आईपीएल में 600 से अधिक रनों के साथ बनाया रिकार्ड

एजेंसी, अहमदाबाद

गुजरात टाइटंस की कप्तानी करते हुए शुभमन गिल ने आईपीएल के इस सत्र में शानदार बल्लेबाजी करते हुए 600 से अधिक रन बनाये हैं। इस प्रकार वह तीन बार इस टूर्नामेंट में ये अहम उपलब्धि हासिल करने वाले कप्तानों की सूची में नंबर एक पर पहुंच गये हैं। शुभमन ने अपने करियर में तीसरी बार और कप्तान के रूप में दूसरी बार यह 600 से अधिक रन किसी एक सत्र में बनाये। इसी के साथ ही शुभमन आईपीएल इतिहास में चौथे ऐसे कप्तान बने हैं जिन्होंने एक सत्र में 600 से ज्यादा रन बनाये हैं। इससे पहले विराट ने 2025 सत्र में 600 से अधिक रन बनाये थे। वहीं शुभमन ने करियर में तीसरी बार 600 से अधिक रन बनाये हैं। इससे पहले उन्होंने 2023 में 890 रन बनाए थे, जो एक सत्र में किसी खिलाड़ी द्वारा बनाये दूसरे

सबसे ज्यादा रन है। इस शानदार उपलब्धि के साथ ही शुभमन कप्तान के रूप में एक से अधिक बार 600 से अधिक रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। इससे पहले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरीसबी) के विराट कोहली ने साल 2013 में एक बार उपलब्धि हासिल की थी। तब कोहली भी सबसे कम उम्र में एक से अधिक बार 600 से अधिक रन सीजन बनाने वाले खिलाड़ी थे। दिग्गज कोहली ने साल 2016 में अपने करियर में दूसरी बार 600 रन से अधिक बनाये थे। वहीं डेविड वॉर्नर एकमात्र अन्य खिलाड़ी हैं जिन्होंने लगातार सत्र में कप्तान रहते हुए 600 या उससे ज्यादा रन बनाए हैं।

सीएसके को दोहरा झटका, आईपीएल से बाहर हुई, रुतुराज पर 24 लाख का जुर्माना

एजेंसी, अहमदाबाद

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में गुजरात टाइटंस टीम के खिलाफ हार के साथ ही दोहरा झटका लगा है। इस हार के साथ ही सीएसके जहां प्लेऑफ से बाहर हो गयी। वहीं धीमे ओवर रेट के लिए रुतुराज पर जुर्माना लगा है। प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए सीएसके टीम को इस लीग मैच में गुजरात टाइटंस के खिलाफ हर हाल में जीत की जरूरत थी पर वह असफल रही। इस मैच में टीम को धीमी ओवर गति के लिए जिम्मेदार माना गया। जिसके कारण

रुतुराज पर मोटा जुर्माना भी लगा है। यह इस सत्र में दूसरी बार था जब रुतुराज गायकवाड़ की टीम तय समय में अपने ओवर पूरे नहीं कर पाई। ये दूसरी बार है जब वह धीमी ओवर गति के लिए फंसी है। इससे पहले 18वें मैच में भी सीएसके को धीमी ओवर गति का दोषी पाया गया था। आईपीएल के आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत, जो न्यूनतम ओवर गति से जुड़े अपराधों को कवर करता है, गायकवाड़ पर 24 लाख रुपये का बड़ा जुर्माना लगाया गया है। कप्तान के अलावा, प्लेइंग इलेवन के बाकी सदस्यों पर भी कार्रवाई की गई है, जिसमें इम्पैक्ट प्लेयर भी शामिल हैं। इन सभी खिलाड़ियों पर छह लाख रुपये या उनकी मैच फीस का 25 फीसदी, जो भी कम हो, का जुर्माना लगाया जाएगा।

इस मैच में गुजरात टाइटंस की टीम ने 4 विकेट के नुकसान पर 229 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। इसके बाद सीएसके की टीम इस बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए पूरी तरह लड़खड़ा गई और सिर्फ 13.4 ओवर में 140 रन पर ही सिमट गई। इस प्रकार उसे 89 रनों की शर्मनाक हार झेलनी पड़ी।

हार्दिक पांड्या को मुम्बई इंडियंस से रिलीज करने की मांग उठी

एजेंसी, मुम्बई

हार्दिक पांड्या की कप्तानी में मुम्बई इंडियंस का प्रदर्शन आईपीएल में लगातार तीसरे सत्र में भी बेहद खराब रहा है और टीम प्लेऑफ में भी नहीं पहुंच पायी है। ऐसे में पांड्या को टीम से रिलीज करने की मांग एक बार फिर तेज हो गयी है। हार्दिक पांड्या की कप्तानी में गुजरात टाइटंस की टीम ने अपने पहले ही सत्र में खिताब जीता था और दूसरे सत्र में वह उपविजेता रही थी। जिसके बाद वह मुम्बई आये थे और रोहित शर्मा की जगह पर उन्हें कप्तान बनाया गया लेकिन टीम का प्रदर्शन बेहद खराब रहा। टीम के प्रदर्शन के अलावा उनका

स्वयं का प्रदर्शन भी उम्मीद के अनुसार नहीं रहा। मुंबई इंडियंस पिछले तीन सत्र में केवल एक बार ही प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई कर पाई है, जबकि दो बार तालिका में सबसे नीचे रही है, जिसमें आईपीएल 2024 भी शामिल है। इसी वजह से अब पांड्या से सिर्फ कप्तानी छीनने की नहीं, बल्कि उन्हें टीम से ही रिलीज़ करने की मांग उठ रही है। इसी को लेकर इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने भी अपनी राय रखते हुए एक बड़ा सुझाव दिया है। हार्दिक को लेकर वॉन ने कहा, रिलीज़ कर दो। हालांकि, उन्होंने तुरंत एक और विकल्प सुझाया। उन्होंने कहा, उसे कैमरून ग्रीन से रिप्लेस कर दो। वॉन का यह सुझाव कई क्रिकेट जानकारों को काफी पसंद आ रहा है। पांड्या और ग्रीन दोनों एक ही तरह के ऑलराउंडर खिलाड़ी हैं, ऐसे में मुंबई इंडियंस और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बीच एक ट्रेड डील की संभावना बन सकती है। इस संभावित अदला-बदली से दोनों ही टीमों को लाभ हो सकता है।

विनेश मामले में दिल्ली हाईकोर्ट ने डब्ल्यूएफआई को लगायी फटकार

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने महिला पहलवान विनेश फोगाट को ट्रायल के लिए अयोग्य घोषित किए जाने के रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (डब्ल्यूएफआई) के फैसले को लेकर उसे कड़ी फटकार लगायी है। वहीं कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिए हैं कि वह विनेश के लिए विशेषज्ञ कमेटी बनाकर उनका मूल्यांकन करे और आगामी एशियन गेम्स के चयन ट्रायल में उनकी भागीदारी को सुनिश्चित करे। विनेश मैटरनिटी ब्रेक के बाद खेल में वापसी कर रही है। वहीं डब्ल्यूएफआई ने विनेश को ट्रायल के लिए आयोग्य घोषित करते हुए कारण बताओ नोटिस भेजा था, जिसमें उन पर नुशासनहीनता और डोपिंग रोधी नियमों के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए चार सवालों के जवाब मांगे थे। इसके साथ ही डब्ल्यूएफआई ने विनेश के किसी भी घरेलू प्रतियोगिता में शामिल होने पर 26 जून, 2026 तक रोक लगा दी थी। डब्ल्यूएफआई के इस फैसले के कारण से विनेश नेशनल ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट में भी हिस्सा नहीं ले सकी थीं। विनेश ट्रायल की अनुमति मांगने के लिए डब्ल्यूएफआई के पास पहुंची थीं, लेकिन उनकी अपील को खारिज कर दिया गया था। डब्ल्यूएफआई ने विनेश की नेशनल ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट के ट्रायल में शामिल होने की अपील यह कहकर ठुकरा दी थी कि उनके खिलाफ वाडा के 5.6.1 नियम के तहत अनुशासनात्मक कार्रवाई चल रही है।

नेमार फिर चोटिल हुए, विश्वकप में खेलने पर संशय छाया

एजेंसी, यो डी जनेरियो

ब्राजील के स्टार फुटबॉलर नेमार एक बार फिर चोटिल हो गये हैं। ऐसे में अगले माह होने वाले फीफा विश्वकप में उनके खेलने को लेकर एक बार फिर संशय छा गया है। नेमार लंबे समय के बाद हाल ही में मैदान पर लौटे थे जिसके बाद उन्हें विश्वकप के लिए टीम में भी शामिल किया गया था पर अब उनके चोटिल होने से प्रशंसकों में निराशा का भाव है। इसका कारण है कि अब विश्वकप में एक माह से भी कम समय है। 34 साल के नेमार सैंटोस आजकर अपने क्लब

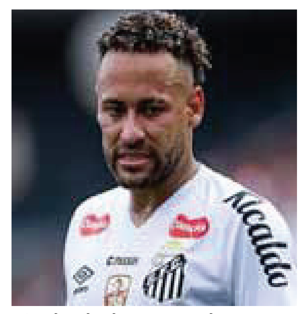

की ओर से खेलकर फिटनेस हासिल करने में लगे थे पर सैन लोरेंजो के खिलाफ अपनी टीम के घरेलू कोपा सुदामेरिकाना मैच में वह नहीं उतरे। इसका कारण उनकी पिंडली में लगी चोट को बताया गया है हालांकि क्लब का कहना है कि उनकी चोट गंभीर नहीं है और चिंता की जरुरत नहीं है। सैंटोस टीम के डॉक्टर रोड्रिगो ज़ोगैब ने उम्मीद जतायी है कि नेमार 27 मई को ब्राजील के विश्व कप से पहले होने वाले पहले ट्रेनिंग सेशन के लिए फिट हो जायेंगे। जोगैब ने कहा, नेमार नेशनल टीम में पूरी तरह फिट या लगभग फिट होकर शामिल होंगे। इस बात की भी संभावना है कि वह अगले मंगलवार को डेपोटिर्वो कुएन्का के खिलाफ खेल सकते हैं। गौरतब है कि नेमार ब्राजील के लिए अब तक सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी हैं। नेमार ने 128 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 79 गोल दागे हैं।

बिजनेस

घरेलू सर्राफा बाजार में चमका सोना, चांदी की भी बढ़ी चमक

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में तेजी का दौर जारी है। भाव में आए उछाल के कारण देश के ज्यादातर हिस्सों में 24 कैरेट सोना आज 1,60,090 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,61,680 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। 22 कैरेट सोना आज 1,46,610 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,48,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। इसी तरह चमकीली धातु चांदी दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,85,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,60,240 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,46,760 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,60,090 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना

1,46,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,60,140 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,46,660 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,61,680 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,48,110 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,60,090 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,46,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,60,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,46,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,60,240 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,46,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,60,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,46,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,60,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,46,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,60,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,46,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

मारुति अगले माह कार के दाम में 30 हजार रुपये तक की करेगी बढ़ोतरी

एजेंसी, नई दिल्ली

देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने अपने कार की कीमतों में इजाफा करने का ऐलान किया है। कंपनी ने कहा कि वह अपने विभिन्न मॉडल की कीमतों में अगले माह 30 हजार रुपये तक की बढ़ोतरी करेगी। कंपनी ने गुरुवार को शेयर बाजार को दी नियामकीय सूचना में बताया कि उसने अपने पूरे मॉडल पोर्टफोलियो में वाहनों की कीमतों में 30 हजार रुपये तक की बढ़ोतरी करने का निर्णय लिया है। कंपनी ने कहा कि बढ़ती मुद्रास्फीति और लागत में बढ़ोतरी के कारण जून से लागू होंगी। कंपनी ने कहा कि अलग-अलग मॉडल्स के हिसाब से कीमतों में बदलाव अलग रहेगा। उल्लेखनीय है कि भारतीय बाजार में मारुति की पॉपुलर कारों में डिजायर, अर्टिगा, स्विफ्ट, ब्रेजा, बलेनो और फ्रॉन्क्स के साथ ही विक्टोरिस, ग्रैंड विटारा, ऑल्टो के10, इनविक्टो समेत अन्य मॉडल शामिल है।

स्विगी को एओए में बदलाव के लिए नहीं मिली जरूरी शेयरधारक मंजूरी

एजेंसी, नई दिल्ली

खाद्य एवं पेय सामग्री की आपूर्ति करने वाली ऑनलाइन कंपनी स्विगी को अपने कंपनी गठन के कायदे-कानून में बदलाव के लिए आवश्यक शेयरधारक मंजूरी नहीं मिल सकी। इसके जरिये वह खुद को भारतीय स्वामित्व एवं नियंत्रित कंपनी (आईओसीसी) के रूप में योग्य बनाना चाहती थी।

कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि कंपनी गठन के कायदे-कानून (एओए) में संशोधन के प्रस्ताव को 72.35 फीसदी शेयरधारकों का समर्थन मिला है, जो आवश्यक सीमा से 2.65 फीसदी कम रहा। कंपनी ने इसके लिए डाक मतपत्र के माध्यम से ई-वोटिंग प्रक्रिया अपनाई थी। इसमें एओए में बदलाव करने और रेनन डी कास्त्रो आल्वेस पिंटो को गैर-कार्यकारी, गैर-स्वतंत्र नामित निदेशक के रूप में नियुक्त करने के प्रस्ताव पर मंजूरी मांगी गई थी।

विशेष प्रस्ताव के परिणाम पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए स्विगी के प्रवक्ता ने शुक्रवार को कहा

कि स्विगी प्रस्ताव के परिणाम को स्वीकार करती है, जिसे 72.35 फीसदी शेयरधारकों की मंजूरी मिली, जो आवश्यक सीमा से 2.65 फीसदी कम है। हालांकि, इसके नियुक्ति का प्रस्ताव 98.98 फीसदी बहुमत के साथ पारित हो गया। उन्होंने कहा कि कंपनी अपने शेयरधारकों के साथ संवाद को जारी रखेगी और सकारात्मक परिणाम की दिशा में अपना काम करेगी। उल्लेखनीय है कि विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम के नियमों के तहत वर्तमान में किसी कंपनी को भारतीय स्वामित्व एवं नियंत्रित तभी माना जाता है, जब उसका स्वामित्व एवं नियंत्रण भारतीय नागरिकों या पात्र भारतीय संस्थाओं के पास हो। इसमें निदेशक मंडल की संरचना और नामांकन व्यवस्था के जरिये घरेलू नियंत्रण सुनिश्चित किया जाता है।

हरे निशान पर खुला शेयर बाजार, सेंसेक्स 325 अंक उछला

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी संकट पर अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता में प्रगति के इंतजार के बीच हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजार हरे निशान पर खुला है। शेयर बाजार के दोनों प्रमुख संवेदी सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में तेजी बना हुआ है। सेंसेक्स में 325 अंक की बढ़त और निफ्टी भी 90 अंकों की तेजी है। कारोबार की शुरुआत में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 324.95 अंक यानी 0.43

फीसदी उछलकर 75,508.31 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 96.10 अंक यानी 0.41 फीसदी की तेजी के साथ 23,750.80 के स्तर पर ट्रेंड कर रहा है। आज के कारोबार में बैंक और रियल्टी शेयरों में खरीदारी है। वहीं, शुरुआती कारोबार में रुपया डॉलर के मुकाबले 6 पैसे बढ़कर 96.30 पर पहुंच गया है। इसके अलावा कच्चे तेल की कीमतें 105 डॉलर प्रति बैरल के आसपास बनी हुई हैं। विशेषज्ञों का कहना है निवेशक भी अमेरिका-ईरान के बीच शांति वार्ता में प्रगति का इंतजार कर रहे है। उल्लेखनीय है कि पिछले कारोबारी दिन गुरुवार को सेंसेक्स 135.03 अंक यानी 0.18 फीसदी टूटकर 75,183.36 के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह एनएसई का निफ्टी 4.30 अंकों यानी 0.018 फीसदी की गिरावट के साथ 23,654.70 के स्तर पर बंद हुआ था।

डीआरआई ने पूर्वोत्तर क्षेत्र में 60 हजार किलो विदेशी सुपारी जब्त की, पांच गिरफ्तार

एजेंसी, नई दिल्ली । राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) की गुवाहाटी क्षेत्रीय इकाई ने पूर्वोत्तर क्षेत्र में इस हफ्ते की शुरुआत में संचालित किए गए दो बड़े अभियानों में लगभग 60 हजार किलोग्राम तस्करी की गई विदेशी सुपारी जब्त की है। मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि शुरुआती जांच में पता चला कि इस विदेशी सूखी सुपारी की म्यांमा-मिजोरम सीमा के रास्ते म्यांमा से भारत में तस्करी की जा रही थी। डीआरआई ने विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर मिजोरम और असम में अभियान संचालित करते हुए ये

ज़ब्ती की है। वित्त मंत्रालय ने कहा कि इस अभियान में डीआरआई को असम राइफल्स की 38वीं बटालियन का सहयोग मिला। अब तक इन अभियानों में पांच लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। मंत्रालय ने बताया कि पड़ोसी देश से सुपारी की अवैध आवक घरेलू सुपारी उत्पादकों को गंभीर आर्थिक नुकसान पहुंचा रही है और सीमावर्ती क्षेत्रों में आर्थिक सुरक्षा को कमजोर कर रही है।

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया का ओएफएस खुला

एजेंसी, नई दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र के सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में केंद्र सरकार की चार फीसदी हिस्सेदारी के लिए बिक्री पेशकश (ओएफएस) 31 रुपये प्रति शेयर की दर से शुक्रवार को संस्थागत निवेशकों के लिए खुल गई । खुदरा निवेशक सोमवार को इस शेयर बिक्री के लिए बोली लगा सकेंगे। सेंट्रल बैंक का यह 31 रुपये प्रति शेयर का न्यूनतम मूल्य बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर गुरुवार को इसके शेयर के 33.91 रुपये के बंद भाव से

8.58 फीसदी कम है। बीएसई पर इस बैंक के शेयर आज 32.06 रुपये पर कारोबार कर रहे हैं। यह पिछले दिन के बंद भाव से 5.46 फीसदी कम है। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के मुताबिक, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की इस बिक्री पेशकश में अतिरिक्त चार फीसदी हिस्सेदारी बेचने के लिए ग्रीनशू विकल्प भी शामिल है। इस सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक में आठ फीसदी हिस्सेदारी बिक्री से केंद्र को 2,456 करोड़ रुपये प्राप्त होंगे। यह बिक्री पेशकश सरकार को भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के न्यूनतम सार्वजनिक हिस्सेदारी मानक को पूरा करने की दिशा में आगे बढ़ने में मदद करेगी। सेबी के अनुसार, सभी सूचीबद्ध कंपनियों में कम से कम 25 फीसदी तक सार्वजनिक हिस्सेदारी होना अनिवार्य है। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में सरकार के पास वर्तमान में 89.27 फीसदी हिस्सेदारी है।

सुशासन का सशक्त माध्यम बनी 'ग्राम विकास चौपाल', ग्रामीणों की मांग पर ऑन-द-स्पॉट वित्तीय मंजूरी

चौपाल पर सरकार : सीएम भजनलाल शर्मा का ग्रामीणों से सीधा संवाद, समस्याओं का मौके पर निपटारा

लोक टुडे। जयपुर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रतापगढ़ के बम्बोरी, सीकर के जाजोद, अजमेर के कड़ैल, जालोर के पंसेरी, जयपुर के ठिकरिया, बांसवाड़ा के चुड़ादा एवं डूंगरपुर के धम्बोला गांव में ग्राम विकास चौपाल कार्यक्रमों के जरिए ग्रामीणों से सीधा संवाद किया। इन चौपालों में उन्होंने महिला, किसान, पशुपालक और युवाओं से बातचीत कर गांवों की वास्तविक स्थिति को जाना। साथ ही, उन्होंने केन्द्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। मुख्यमंत्री की इस जनसंवाद की अनूठी पहल से ग्रामीणों का डबल इंजन सरकार के कार्यों के प्रति विश्वास और अधिक मजबूत हुआ है। मुख्यमंत्री ने 7 जिलों में जाकर देर रात तक ग्रामीणों से खेती-किसानी, पशुपालन और रोजगार जैसे अनेक विषयों पर बातचीत की तथा उनकी आवश्यकताओं को समझा। उन्होंने गांव में रात्रि विश्राम के बाद सुबह-सुबह घूमकर आमजन से रामा-श्यामा की तथा सड़क, शिक्षा, चिकित्सा, बिजली, पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं का फीडबैक लिया। उन्होंने अधिकारियों को गांवों के विकास कार्यों को प्राथमिकता से पूरा करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री की इस संवेदनशील कार्यशैली से गांवों के विकास को नई गति मिली है। मुख्यमंत्री से ग्राम विकास चौपाल कार्यक्रम में प्रगतिशील किसानों ने जैविक एवं आधुनिक खेती और राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ लेकर आमदनी बढ़ाने तथा महिलाओं ने राजीविका से जुड़कर उनके जीवन में आए आर्थिक बदलाव के अनुभव साझा किए। युवाओं ने पेपरलीक पर अंकुश लगाने के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया और कहा कि प्रदेश में अब भर्ती परीक्षाएं पूर्ण पारदर्शिता से आयोजित हो रही हैं, जिससे उनका सरकारी नौकरी

पाने का सपना साकार हो रहा है। संवाद में पशुपालकों ने भी मोबाइल वेटरनरी यूनिट, मंगला पशु बीमा योजना एवं दुग्ध उत्पादक संबल जैसी योजनाओं के लिए मुख्यमंत्री का धन्यवाद ज्ञापित किया।

जाजोद में खेल स्टेडियम की घोषणा :

मुख्यमंत्री ने सीकर के जाजोद गांव में खिलाड़ियों की मांग पर खण्डेला में खेल स्टेडियम खोलने की घोषणा की। उन्होंने बालिकाओं की स्कूल में विज्ञान संकाय की मांग को सुबह-सुबह आदेश जारी करवाकर पूरा किया। वहीं, प्रातः भ्रमण के दौरान एक वीरांगना की भावनात्मक अपील पर भीलवाड़ा में कार्यरत उनके पुत्र की प्रतिनियुक्ति के आदेश तत्काल प्रभाव से जारी करवाए।

कड़ैल गांव की पीएचसी सीएचसी में क्रमोन्नत :

मुख्यमंत्री ने पुष्कर के कड़ैल गांव में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में क्रमोन्नत करने की घोषणा की। साथ ही, परिवहन सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए अतिरिक्त बस संचालन सुनिश्चित करने तथा बालिका विद्यालय की चारदीवारी निर्माण के लिए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

जिला कलक्टर को विभिन्न विकास कार्यों को पूरा करने के निर्देश :

मुख्यमंत्री ने जालोर के पंसेरी गांव की चौहटा (गांव की चौपाल का मुख्य केंद्र) पर ग्रामीणों से बातचीत की। उन्होंने ग्रामीणों की मांग पर जिला कलक्टर को विभिन्न सड़कों के उन्नयन की कार्ययोजना बनाने, खेल स्टेडियम की जमीन का चिन्हीकरण करने, एनीकट निर्माण की व्यवहार्यता रिपोर्ट बनाने, सब्जी मंडी निर्माण की कार्ययोजना बनाने एवं पशु चिकित्सालय के लिए जमीन आवंटन के कार्य को गति प्रदान करने के निर्देश दिए।

वित्तीय अनियमितता पर हुई एपीओ की कार्रवाई :

मुख्यमंत्री ने बांसवाड़ा के चुड़ादा गांव में आयोजित हुई ग्राम विकास चौपाल में राजीविका बहनों के लिए सीएलएफ कार्यशाला बनवाने एवं उत्पादों की पैकेजिंग यूनिट स्थापित करने के लिए जिला कलेक्टर को निर्देश दिए। साथ ही, सिंचाई के लिए हीरन नदी पर एनिकट निर्माण एवं पेयजल स्त्रोतों के लिए भी निर्देशित किया।
वहीं, मुख्यमंत्री के निर्देश पर कुशलगढ़ के खंड मुख्य चिकित्सा अधिकारी के विरूद्ध वित्तीय अनियमितताओं की शिकायत को लेकर एपीओ की कार्रवाई की गई।

गांव के विकास के लिए हुई वित्तीय स्वीकृतियां जारी :

मुख्यमंत्री के निर्देश पर ग्राम चुड़ादा में मामा बालेश्वर दयाल मंदिर परिसर में इंटरलॉकिंग व सौंदर्यीकरण के लिए 7 लाख रुपये, गांव ठुम्मठ में मां बाड़ी केंद्र निर्माण के लिए 16.20 लाख रुपये तथा ठुम्मठ चौराहा पर सिंगल फेज ट्यूबवेल निर्माण के लिए 20 लाख रुपये की तत्काल स्वीकृति जारी की गई। मुख्यमंत्री ने राजकीय विद्यालय में दो कक्षा-कक्षों के निर्माण एवं गांव के समीप दूध संकलन केन्द्र की स्थापना को लेकर भी अधिकारियों को निर्देशित किया।

मुख्यमंत्री की संवेदनशीलता, कार्मिक के हुए पदस्थापन आदेश :

चुड़ादा गांव में प्रातः भ्रमण के दौरान मुख्यमंत्री से रोशनी कलाल ने सेरेब्रल पाल्सी से पीड़ित अपने पुत्र की बीमारी के कारण पति के पदस्थापन का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री के निर्देश पर हेमेंद्र कुमार कलाल (सहायक अभियंता) का पदस्थापन जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग कार्यालय सागवाड़ा से कार्यालय अधिशासी अभियंता परियोजना खंड बांसवाड़ा करने के आदेश जारी हुए। मुख्यमंत्री ने डूंगरपुर के धम्बोला गांव में जिला प्रशासन को तालाब पर विकास कार्यों के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों की मांग पर खेल सुविधाओं के विस्तार एवं राजकीय विद्यालय में कक्षा-कक्षों के निर्माण के संबंध में भी अधिकारियों को निर्देशित किया। इससे पहले मुख्यमंत्री ने बांसवाड़ा और डूंगरपुर में जिला प्रशासन की बैठक लेकर कृषि, पर्यटन, शिक्षा, चिकित्सा, बिजली, पानी सहित आधारभूत सुविधाओं के संबंध में दिशा-निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री ने गांव, गरीब, किसान, महिला और युवा को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के संकल्प के साथ ग्राम विकास चौपाल कार्यक्रम को जनसंवाद और सुशासन का प्रभावी माध्यम बनाया है। मुख्यमंत्री चौपालों के जरिए गांवों तक पहुंचकर आमजन की समस्याएं सुन रहे हैं, योजनाओं की जमीनी हकीकत परख रहे हैं और अधिकारियों को मौके पर ही विकास कार्यों के निर्देश दे रहे हैं। मुख्यमंत्री की यह अनूठी पहल केवल जनसंवाद ही नहीं, बल्कि विकसित राजस्थान के निर्माण के लिए गांवों को आत्मनिर्भर और सहभागी बनाने का सशक्त माध्यम बन रही है।

कॉकरोच जनता पार्टी का दावा- वेबसाइट बंद, इंस्टाग्राम हैक

फाउंडर बोले- सरकार तानाशाह, आंदोलन नहीं रोक सकती; सोनम वांगचुक ने कहा- मैं भी कॉकरोच

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी ने शनिवार को सरकार पर इंस्टाग्राम अकाउंट हैक करने और वेबसाइट बंद करने का आरोप लगाया। पार्टी ने सुबह 8.25 बजे ट्वीटर पोस्ट में बताया कि सीजेपी का इंस्टाग्राम अकाउंट एक्सेस नहीं कर पा रहे हैं। इसके बाद पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने दोपहर 1.14 बजे ट्वीटर पर कहा- सरकार ने हमारी वेबसाइट बंद कर दी है। उस पर 10 लाख लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया था। 6 लाख लोगों ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग वाली याचिका पर साइन किए थे। अभिजीत ने लिखा-सरकार कॉकरोच से इतनी डरी हुई क्यों है लेकिन यह तानाशाही रवैया भारत के युवाओं की आंखें खोल रहा है। आप अकाउंट को हैक करके उन पर रोक लगा सकते हैं, लेकिन आप इस आंदोलन को हैक नहीं कर सकते। इधर, पर्यावरणविद और शिक्षाविद सोनम वांगचुक ने 'कॉकरोच मूवमेंट' का समर्थन किया है। उन्होंने न्यूज एजेंसी पीटीआई से कहा- मैं न बेरोजगार हूं, न आलसी, इसलिए पार्टी का सदस्य नहीं बन सकता। लेकिन मैं खुद को ऑनरेरी कॉकरोच मानता हूं। सोशल मीडिया पर सीजेपी के अकाउंट बनने के बाद 8 दिनों के दौरान इंस्टाग्राम पर दोपहर 2 बजे तक 2 करोड़ 20 लाख फॉलोअर्स हो चुके हैं। ट्वीटर पर पहला अकाउंट ब्लॉक हो गया था। 21 मई को नया अकाउंट बना और उस पर भी फॉलोअर्स की संख्या 2 लाख पार हो चुकी है। सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने शुक्रवार को दावा किया था कि उन्हें वॉट्सएप पर जान से मारने की धमकियां मिली हैं।

सीधी में जिंदा जलने से 3 बच्चों की मौत

3-6 साल तक के थे, बिजली लाइन में स्पार्किंग से भड़की आग; देर से पहुंची फायर ब्रिगेड

सीधी। मध्य प्रदेश के सीधी जिले में कच्चे मकान में लगी भीषण आग में तीन मासूम बच्चों की जिंदा जलकर मौत हो गई। आग ने कुछ ही मिनटों में पूरे घर को चपेट में ले लिया। अंदर मौजूद बच्चे बाहर नहीं निकल सके। ग्रामीण मौके पर पहुंचे और आग बुझाने की कोशिश शुरू की, लेकिन तब तक बच्चों की मौत हो चुकी थी। मृत बच्चों की पहचान डेढ़ वर्षीय रिधि साकेत, 6 वर्षीय धुम्मू उर्फ संध्या साकेत और 3 वर्षीय एक अन्य बच्चे के रूप में हुई है। सभी जमोड़ी के काशीहवा गांव के रहने वाले थे। हादसा शनिवार दोपहर करीब 1 बजे हुआ।

आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी, बच्चे अंदर फंसे रहे

गांव के पुष्पराज मिश्रा ने बताया कि घर के ऊपर से गुजर रही बिजली लाइन में स्पार्किंग हुई। चिंगारी पास में रखे बांस और सूखे सामान पर गिरी, जिसके बाद आग तेजी से फैल गई। देखते ही देखते पूरा कच्चा मकान आग की लपटों में घिर गया। घटना के समय घर बाहर से बंद था और अंदर तीनों बच्चे मौजूद थे। बच्चों की मां घर से जाते समय दरवाजा बाहर से बंद कर गई थी, जिससे बच्चे अंदर ही फंस गए।

आधे घंटे बाद पहुंची फायर ब्रिगेड

जमोड़ी थाना क्षेत्र के ग्राम काशीहवा में शनिवार दोपहर करीब 1 बजे आग लगी थी। सूचना मिलने के करीब आधे घंटे बाद दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं, लेकिन तब तक तीनों बच्चों की मौत हो चुकी थी।

स्कूलों में गर्मी की छुट्टियां बढ़ाई

शिक्षकों के आंदोलन के बाद शिक्षा विभाग ने मांगें मानीं, अब 29 जून को स्कूल खुलेंगे

जयपुर। राजस्थान के स्कूलों में गर्मी की छुट्टियां (ग्रीष्मावकाश) 28 जून तक बढ़ा दी गई हैं। 22 जून से स्कूल खुलने थे। अब स्कूल 29 जून को खुलेंगे। छुट्टियां बढ़ाने को लेकर राजस्थान शिक्षक संघ (राष्ट्रीय) के बैनर तले शिक्षकों का आंदोलन चल रहा था। सरकार ने शिक्षकों की मांगें मान ली हैं। संघ और शिक्षा विभाग के बीच शनिवार को समझौता हुआ। समझौता पत्र पर शिक्षा मंत्री के विशिष्ट सहायक के हस्ताक्षर किए गए हैं। उधर, इस संबंध में अभी तक शिक्षा निदेशालय की ओर से कोई आधिकारिक आदेश जारी नहीं किया गया है। माना जा रहा है कि जल्द ही औपचारिक आदेश जारी किया जा सकता है।

रिपोर्ट : ईरान पर फिर हमले की तैयारी में अमेरिका

ट्रम्प वीकेंड प्रोग्राम कैंसिल कर व्हाइट हाउस लौटे, ईरान बोला- दुश्मन की बेवकूफी का जवाब देंगे

एजेंसी

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प अपने वीकेंड गोल्फ कार्यक्रम रद्द कर अचानक व्हाइट हाउस लौट आए हैं। इसके बाद अमेरिका और ईरान के बीच तनाव को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेरिका ईरान के खिलाफ नए सैन्य हमलों की तैयारी कर सकता है। सीबीएस न्यूज ने दावा किया है कि ट्रम्प प्रशासन संभावित नए हमलों की प्लानिंग पर विचार कर रहा है, हालांकि अभी अंतिम फैसला नहीं लिया गया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिकी प्रशासन और सेना के कई सीनियर अधिकारियों ने भी अपने छुट्टी और हॉलिडे प्रोग्राम रद्द कर दिए हैं। इसी बीच ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी तस्नीम ने दावा किया कि ईरानी सेना दुश्मन की किसी भी बेवकूफी का जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार है।

पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट्स...

ईरान पर हमला ना करने की अपील- सऊदी अरब, यूएई और कतर ने ट्रम्प से ईरान पर हमला न करने और युद्ध की जगह कूटनीति अपनाने की अपील की है।

ईयू नए प्रतिबंध लगाने की तैयारी में- यूरोपीय यूनियन होर्मुज स्ट्रेट बंद कराने के आरोप में ईरानी अधिकारियों और संस्थाओं पर नए प्रतिबंध लगाने की तैयारी कर रहा है।

होर्मुज खोलने के लिए फ्रांस का प्रस्ताव- फ्रांस ने होर्मुज स्ट्रेट खोलने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अंतरराष्ट्रीय समुद्री मिशन तैनात करने का नया प्रस्ताव तैयार किया है।

पाकिस्तान सेना प्रमुख ईरान में- पाकिस्तान सेना प्रमुख आसिम मुनीर तेहरान पहुंचे, जहां अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम कराने और समझौते पर चर्चा हुई।

कतर की टीम तेहरान पहुंची- रॉयटर्स के मुताबिक, युद्ध खत्म कराने और बाकी विवाद सुलझाने के लिए कतर की एक टीम शुक्रवार को तेहरान पहुंची है।

पेड़ से टकराई कार, 3 बारातियों की मौत

श्रीगंगानगर। श्रीगंगानगर जिले के रायसिंहनगर थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार स्विफ्ट डिजायर कार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। हादसे में 3 युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 2 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को श्रीगंगानगर के सरकारी हॉस्पिटल रेफर किया गया है, जहां उनकी हालत नाजुक बताई जा रही है। टक्कर इतनी भीषण थी कि गाड़ी के परखच्चे उड़ गए और शव सड़क-खेत में बिखर गए। डैमेज कार के स्पीड मीटर में कांटा 100 पर अटका हुआ था। इंजन भी करीब 70 मीटर दूर पड़ा था। प्रारंभिक जांच के अनुसार, युवक नशे में गाड़ी चला रहा था। हादसा खिचिया गांव के पास दोपहर करीब 1:30 बजे हुआ। जानकारी के अनुसार- रावला थाना क्षेत्र के 4 केपीडी गांव निवासी गोपी राम के घर शादी थी।

जम्मू-कश्मीर- राजौरी के जंगलों में छिपे तीन आतंकी

राजौरी। जम्मू-कश्मीर के राजौरी में शनिवार दोपहर सुरक्षाबलों और आतंकियों से मुठभेड़ हुई है। गंभीर मुगलान के जंगलों में 2-3 पाकिस्तानी आतंकियों के घिरे होने की खबर है। आतंकी मूवमेंट की जानकारी मिलने के बाद सुरक्षाबलों का जंगल में सर्च ऑपरेशन जारी है। इसी दौरान आतंकियों ने फायरिंग की। 23 फरवरी को भारतीय सेना की व्हाइट नाइट कोर ने ट्वीटर पर 7 आतंकियों की फोटो पोस्ट की और लिखा था कि 326 दिन के बाद किश्तवाड़ से आतंक के नेटवर्क का खात्मा कर दिया गया है। पोस्ट में बताया गया था कि इन आतंकियों में जैश का कमांडर सैफुल्लाह भी मारा गया है। सैफुल्लाह किश्तवाड़ में आतंक का सरगना था। व्हाइट नाइट कोर ने बताया कि किश्तवाड़ में उनके अलावा जम्मू कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ समेत सेना की इंटेलीजेंस एजेंसी भी शामिल रहीं।

जयपुर में आंधी, 5 जिलों में बारिश

अलवर में सड़कों पर पानी का छिड़काव, चित्तौड़गढ़ सबसे गर्म

7 जिलों में हीटवेव की चेतावनी

एजेंसी

जयपुर। राजस्थान के सभी शहरों का अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस से नीचे आ गया है। शनिवार को सीकर, श्रीगंगानगर, कोटपूतली-बहरोड़ और चूरू में बारिश हुई। जयपुर में आंधी चली। बीकानेर, चूरू, फलोदी, चित्तौड़गढ़ में सबसे ज्यादा तापमान रहा। मौसम विभाग ने राज्य में 24 मई से प्रदेश में गर्मी फिर से तेज होने, हीटवेव सीवियर होने का ऑरेंज और यलो अलर्ट जारी किया है। वहीं, 23 मई को 7 जिलों में यलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक राज्य में 24 मई से गर्मी तेज होगी और तापमान में 2 से 3 डिग्री तक बढ़ोतरी हो सकती है। जबकि पश्चिमी जिलों में सीवियर हीटवेव और पूर्वी, उत्तरी जिलों में हीटवेव और वार्म नाइट का इफेक्ट रहने की संभावना है। प्रदेश के कई हिस्सों में तापमान 45डिग्री पार पहुंच गया है। इस दौरान मोबाइल, लैपटॉप या पावर बैंक जल्दी गर्म होते हैं। इससे बैटरी डैमेज, लो परफॉर्मेंस या अचानक डिवाइस बंद होने जैसी समस्याएं हो सकती हैं। आज 'जरूरत की खबर' में जानेंगे कि हाई टेम्परेचर का गैजेट्स पर क्या प्रभाव पड़ता है और इन्हें ओवरहीटिंग से कैसे बचाएं?

भालू आइसक्रीम, शेर-तेंदुए फव्वारे में नहा रहे

कोटा के अभेड़ा बायोलॉजिकल पार्क में जानवरों को लू से बचाने के लिए खास इतंजाम किए गए हैं। भालू को आइसक्रीम तो शेर-तेंदुओं को फव्वारे लगाकर नहलाया जा रहा है।

जयपुर में आंधी चली

जयपुर में शनिवार दोपहर बाद मौसम बदला। धूलभरी आंधी चली,जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

सीकर के श्रीमाधोपुर में रुक-रुककर बारिश

सीकर के श्रीमाधोपुर शहर में शनिवार दोपहर 1 बजे अचानक मौसम बदल गया। 10 मिनट तक बारिश हुई। इसके बाद धूप निकल आई। दोपहर 2:45 बजे फिर से हवा के साथ बारिश हुई जो 3 बजे तक जारी रही।

चूरू में हवा चली, बारिश हुई

चूरू और रतनगढ़ में शनिवार दोपहर मौसम का मिजाज बदल गया। हवा के साथ बारिश हुई, जिससे लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली। तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई। आंधी के कारण कुछ इलाकों में बिजली गुल हो गई।

कोटपूतली-बहरोड़ में दोपहर बाद बरसात

कोटपूतली-बहरोड़ में शनिवार दोपहर बारिश हुई। बहरोड़ के साथ ही आसपास के गांव खेड़की, गूंती, कांकरछाजा, गादोज, शिमला-श्यामपुर, शेरपुर और खरखड़ा में भी बारिश हुई।

श्रीगंगानगर में सुबह हुई बारिश

श्रीगंगानगर जिले में शनिवार सुबह 6:30 बजे अचानक मौसम बदला। इसके बाद जिला मुख्यालय सहित ग्रामीण इलाकों में हल्की बारिश हुई। बारिश के बाद तापमान में गिरावट आई। पिछले चार-पांच दिन से जारी हीटवेव और गर्मी से लोगों को राहत मिली। बीते 24 घंटे में कैसा रहा मौसम: पिछले 24 घंटे के दौरान सबसे अधिक अधिकतम तापमान 44.2 डिग्री सेल्सियस चित्तौड़गढ़ में दर्ज हुआ। फलोदी, चूरू, बीकानेर, गंगानगर, चित्तौड़गढ़ के एरिया भी हीटवेव की चपेट में रहे। वहीं पूर्वी राजस्थान के टोंक, अलवर, दौसा के एरिया में भी लू का असर रहा।

जयपुर में तेज गर्मी और लू का असर रहा-जयपुर में शुक्रवार को भी दिनभर तेज गर्मी और लू का असर रहा। यहां दिन का अधिकतम तापमान गिरकर 41 .5 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। वहीं, जयपुर में वार्म नाइट भी रही, जहां न्यूनतम तापमान 30 .7 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। मौसम विभाग ने जयपुर में अगले तीन-चार दिन हीटवेव और तेज गर्मी रहने की आशंका जताई है।

जोधपुर में तेज गर्मी से सड़कें खाली-जोधपुर शहर का अधिकतम तापमान 42 .0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 0 .8 डिग्री अधिक रहा। वहीं, न्यूनतम तापमान 29 .4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से 1 .3 डिग्री ज्यादा रहा। गर्मी और तेज धूप के कारण दोपहर के समय बाजारों और सड़कों पर आवाजाही कम रही।

उदयपुर में लगातार बढ़ रहा पारा-उदयपुर में पिछले दो दिनों से तापमान लगातार बढ़ रहा है। दिन में तेज धूप के कारण लोग परेशान हैं। मौसम विभाग के अनुसार 22 मई को अधिकतम तापमान 41 .0 तक पहुंच गया, जबकि न्यूनतम तापमान 24 .2 रहा। 21 मई को उदयपुर का अधिकतम तापमान 40 .5 और न्यूनतम 23 .6 दर्ज किया गया था।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रिक, प्रकाशन, संपादक - नीरज मेहरा द्वारा बोनस ग्राफिक्स, लक्ष्मी नगर, हटवाड़ा मार्ग, अजमेर रोड, जयपुर - 302006 से मुद्रिक एवं 141, दयानन्द नगर, फेज प्रथम झेलना डूंगरी गली नंबर 19, थाना गांधी नगर, जयपुर (राज.) प्रकाशित प्रबंध संपादक - पी.के.बृजवाल, 9950325930, 9571635930 (कानूनी सलाहकार एडवोकेट कैलाशनाथ भट्ट)